ECONOMICS

15-7-20 (10)

M.U. of A = M.U. of B = M.U. of C = 15

उपरोक्त तालिका से यह स्पष्ट है कि जब उपभोक्ता के पास 6 रु० है तो वह वस्तु A की 3 इकाईयाँ वस्तु B की 2 इकाईयाँ वस्तु C की 1 इकाई का क्रय करता है तो उसे अधिकतम संतुष्टि प्राप्त होगा। क्योंकि M.U. of A = M.U. of B = M.U. of C = 15

उपरोक्त तालिका के आधार पर सम - सीमान्त उपयोगिता नियम को निम्न चित्र के द्वारा प्रदर्शित किया जा सकता है।

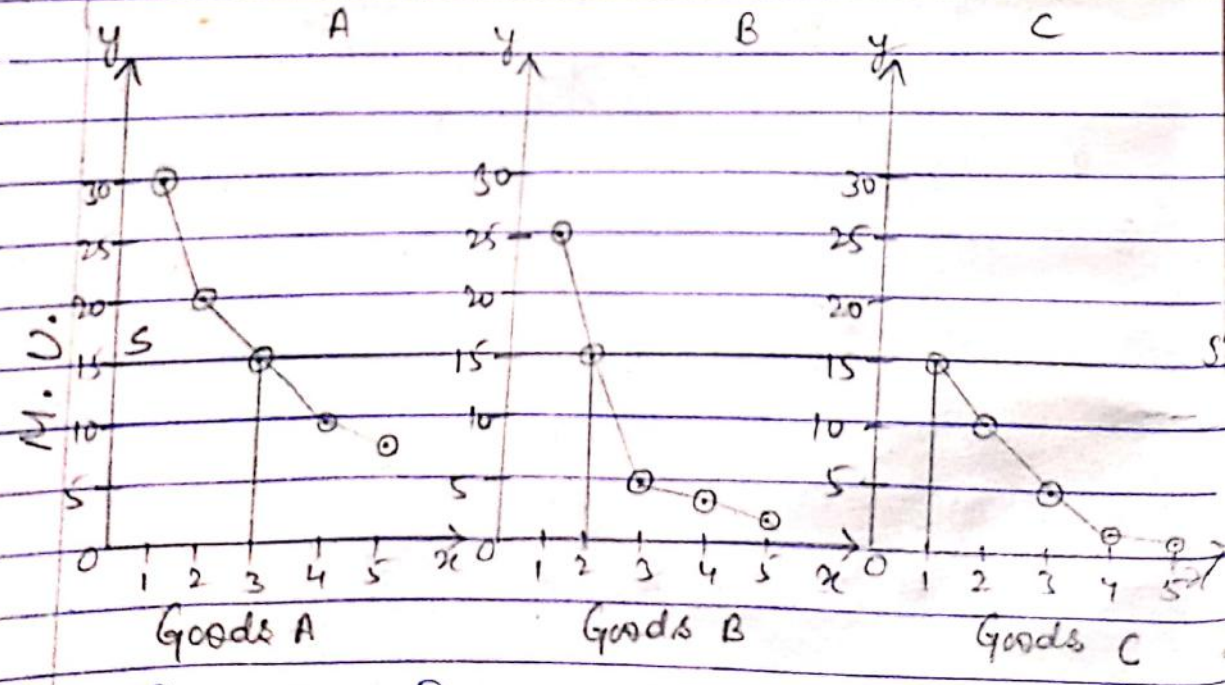

उपरोक्त चित्र से स्पष्ट है कि जब उपभोक्ता वस्तु 'A' की 3 इकाईयाँ तथा वस्तु 'B' की 2 इकाईयाँ तथा वस्तु 'C' की 1 इकाई का क्रय करता है तो उसे अधिकतम संतुष्टि प्राप्त होता है। चित्र में SS' सीमान्त उपयोगिता की रेखा है।

Scanned with CamScanner

13-7-20 (101) Economics.

सम - सीमान्त उपयोगिता नियम की सीमाएँ अथवा आलोचनाएँ :→ सम - सीमान्त उपयोगिता नियम की आलोचनाएँ निम्न हैं -

1) उपयोगिता को मापना संभव नहीं (Utility can not be measured) :→ आलोचकों का कहना है कि उपयोगिता की माप संभव नहीं है। जब उपयोगिता की माप संभव नहीं है तो यह सिद्धान्त अपने - आप समाप्त हो जाती है। अर्थात् यह सिद्धान्त काल्पनिक हो जाती है।

2) उपभोक्ता की अज्ञानता (Ignorance of Consumer) :→ यह सिद्धान्त यह मानता है कि उपभोक्ता विवेकशील प्राणी है। किन्तु हम जानते है कि जब उपभोक्ता बाजार जाता है तो वह अज्ञानता के कारण भी वस्तुओं का क्रय कर लेता है तथा ~~अब~~ उपभोक्ता गणित की महान् नहीं है। अतः उपभोक्ता की अज्ञानता के कारण उपभोक्ता को अधिकतम संतुष्टि प्राप्त नहीं होगी।

3) वस्तुओं का विभाजन (Divisibility of commodity) :→ सम- सीमान्त उपयोगिता नियम यह मानता है कि वस्तुओं का सूक्ष्म विभाजन संभव होता है। किन्तु कुछ वस्तुएँ ऐसी है जिनका विभाजन संभव नहीं है। उदाहरण स्वरूप - घड़ी, कार, रेडियो इत्यादि।

Scanned with CamScanner